की रिपोर्ट मिलने पर हम ज़रूर उस के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करेंगे, यह आश्वासन मैं देता हूं ।

श्री धर्मवीर वशिष्ट : यह यातायात सर्वेक्षण अनुमानत: कब तक पूरा हो जायेगा ?

प्रो० मधु दंडवते : हमारा अनुभव है कि आम तौर पर एक या दो साल में सरवे पूरा हो जाता है । माननीय सदस्यों ने कहा कि यह बहुत ज़रूरी सवाल है । इसलिए हम ज़रूरी आदेश दे देंगे कि सरवे का काम जितनी जल्दी हो सकता है, पूरा किया जाये । उस के बाद हम उस की रिपोर्ट माननीय सदस्यों को दे देंगे ।

कोरबा में स्थापित किया जाने वाला उर्वरक कारखाना

225. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय** : क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोरबा में स्थापित किये जाने वाले उर्वरक कारखाने की वर्तमान स्थिति क्या है ?

(ख) इस बारे में अब तक क्या कदम उठाये गये हैं; और

(ग) उक्त कारखाना कब तक स्थापित हो जाना था और विलम्ब के कारण क्या हैं ?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) to (c). The Korba fertilizer project was approved for implementation in June 1974 and was scheduled to have been completed in 1978. Some preliminary civil construction works were completed and orders for long delivery of items and equipment were also placed. However, the implementation of the project was slowed down, following the decision that the further implementation of the project as well as setting up additional capacity based on coal as feedstock should be considered only after experience is available of the operation of the two coal based plants under implementation at Talcher and Ramagundam.

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : क्या यह सही है कि कोयले पर आधारित इस फ़र्टीलाइज़र प्लांट का शिलान्यास भूतपूर्व प्रधान मंत्री, श्रीमती इन्दिरा गांधी, द्वारा 15 अप्रैल, 1973 को किया गया था, और यह कोयले पर आधारित सब से पहले प्रारम्भ होने वाला फ़र्टीलाइज़र प्लांट था; यदि हां, तो उस की प्राथमिकता को खत्म कर के बाद में प्रारम्भ होने वाले तालचर और रामागुंडम प्लांट्स को पहले क्यों शुरू कर दिया गया था? कोरबा के प्लांट के काम को क्यों रोक दिया गया ? क्या यह भी सही है कि उससे मध्य प्रदेश के विकास पर विपरीत असर पड़ा है ।

SHRI SHANTI BHUSHAN: In 1969 a decision was taken in respect of three coal based fertiliser projects including Korba. But in 1973, as the hon. Member is aware, on account of oil price hike all the costs had gone up. Now in the Fifth Five Year Plan starting from 1st of April 1974 to 31st of March 1979, provision has been made for Rs. 1065 crores in respect of fertiliser plants. But as a result of this price hike there had to be alteration in the Fifth Five Year Plan and even though this allocation viz., provision in respect of fertiliser plants, was increased from Rs. 1065 crores to Rs. 1488 crores, still, the number of new fertiliser plants had to be reduced from five to three. Now in Korba although this was a coal based technology, in the meantime, gas has been found in Bombay High and it was found that fertiliser plants based on plant technology were certain. So far as coal technology was concerned, it was still to be proven and therefore, it was decided that so far as Korba

plant is concerned, it should be slowed down and the results of other two coal plants viz, at Talcher and Ramagundam may be seen as to whether they result in proven technology and then only Korba project can be taken up

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर अभी नहीं आया। मैं ने स्पष्ट रूप से पूछा है कि कोरबा प्लांट का काम पहले प्रारंभ हो चुका है। उसके काम को धीमा कर के दूसरे प्लांट का काम प्रारंभ करने का क्या कारण था ?

दूसरे, यह जो काम प्रारंभ किया गया उस के ऊपर सरकार ने कितना खर्चा किया? मेरे पास इस के बारे में यह रिपोर्ट है

The commencement of work on the fertiliser factory at Korba has a special significance The Rs 120 crores project undertaken by the Fertiliser Corporation of India is coal-based Since coal transport over long distances is costly and handling is expensive, a fertiliser complex should be located almost near the mines "

तो यह कोल बेस्ड प्लांट जो कोरबा का है, कोयला खदान बिलकुल उस के पास में है और इसी को आधार मान कर कि मध्य प्रदेश में एक फर्टिलाइजर प्लांट की आवश्यकता है इस प्लांट को वहां के लिए क्लीअर किया गया था कि यह वहां पर स्थापित होगा। यह बिलकुल तय कर दिया गया था क्योंकि मध्य प्रदेश का यह इलाका पिछड़ा इलाका भी है। लेकिन उस को वहां पर स्लो डाउन नहीं, बल्कि बिलकुल बन्द कर दिया गया। करोड़ों रुपया उस में इन्वेस्ट हो चुका है। तो मैं ज ना चाहता हूं कि उस के काम को बन्द करने का कारण क्या था ? मंत्री महोदय यह स्पष्ट करें।

श्री शशि भूषण : जैसा मैं ने माननीय सदस्य को बताया कि ये तीनों कोल बेस्ड प्लान्ट थे—कोरबा, रामगुन्डम और तालचेर, जिन के बारे में 1969 में यह फैसला लिया गया था कि ये तीनों बनाए जाएंगे जहां तक कोरबा के प्लान्ट का सम्बन्ध है माननीय सदस्य ने पूछा है कि कितना रुपया उस पर खर्च किया जा चुका है ? तो मार्च सन 1977 तक 23 करोड 15 लाख रुपया इस में खर्च किया जा चुका है जब कि इस की पूरी लागत 200 करोड के लगभग है। रामगुन्डम वाले प्लान्ट में 134 करोड खर्च हो चुका है और तालचेर वाले में 130 करोड खर्च हो चुका है। माननीय सदस्य ने बताया कि कोरबा कोल बेल्ट में है लेकिन इसी तरह रामगुन्डम और तालचेर भी कोल बेल्ट में हैं। जब यह फैसला लिया गया कि इन में से एक कम करना है क्यों कि इन का खर्चा इतना बढ़ गया कि कम करना आवश्यक हो गया था तो किसी न किसी को तो कम करना ही था। तीनों तीन अलग अलग राज्यों में थे तो जो भी कटता उस को यह शिकायत होती। तो इस में कोई ऐसी वजह नहीं थी कि मध्य प्रदेश से कोई शिकायत थी इसलिए मध्य प्रदेश वाला बन्द कर दिया गया और आन्ध्र प्रदेश और उड़ीसा वाला चलाया गया। यह फैसला एक लेना था इसलिए लिया गया। मेरे पास ज्यादा डीटेल में आंकड़े नहीं हैं कि क्या वजह थी। हो सकता है कि रामगुन्डम और तालचेर में ज्यादा फैसिलिटी रही हो कोल की इसलिए वहां पर चलाने का फैसला लिया गया लेकिन फैसला यह नहीं लिया गया कि तीनों साथ साथ नहीं चल सकते हैं। इसलिए एक में काम धीमा कर दिया गया यानी जो कमिटमेंटस हो चुके थे, जो मशीनरी इम्पोर्ट होनी थी या और कोई कमिटमेंटस हो चुके थे उन को तो काटा नहीं जा सकता था, लेकिन फैसला यह लिया गया कि जो नेक्स्ट प्लान्ट है उस को आगे बढ़ाया जाय और यह देखा जाय कि कोल बेस्ड

प्लान्ट पूरे सकसेसफुल होते हैं या नहीं, तब उन को आगे बढ़ाया जाय ।

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : मेरे प्रश्न का उत्तर फिर नहीं आया । मैंने साफ पूछा था कि कोरबा का काम पहले प्रारंभ हो चुका था और करोड़ों रुपया वहां खर्च किया जा चुका था तो उस को बन्द कर के दूसरी जगह जहां काम प्रारंभ नहीं हुआ था वहां प्रारम्भ कर दिया गया, इस के पीछे क्या कारण था ? क्या इस के पीछे कोई राजनैतिक कारण था ? इस में मध्य प्रदेश को नेग्लेक्ट किया गया है । इससे मध्य प्रदेश का विकास अवरूद्ध हुआ है । पिछड़े क्षेत्र की भी उन्नति नहीं होगी । इसलिए यह मैं स्पष्ट जानना चाहता हूं कि जब यहां का काम प्रारंभ हो चुका था तो उस को बन्द कर के दूसरी जगह काम क्यों प्रारंभ किया गया ?

श्री शांतिभूषण : जहां तक मुझे मालूम है, मुझे कोई जानकारी राजनैतिक उद्देश्य के बारे में नहीं है । अगर किसी के मन में राजनैतिक उद्देश्य था तो जिन के मन में उस समय रहा होगा वे जानते होंगे ।

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय : अध्यक्ष महोदय, मैं आप का संरक्षण चाहता हूं । मंत्री महोदय को जानकारी पूरी नहीं है तो इस सवाल को बाद में रख दिया जाय । जब पूरी जानकारी हो जाय तब जवाब दे । यह प्रश्न साधारण नहीं है । जानबूझकर मध्य प्रदेश को नेग्लेक्ट करने की दृष्टि से यह किया गया है । करोड़ों रुपया वहां व्यय हो चुका था, उस की सारी मशीनरी वहां सड़ रही है । कोयला वहां काफी मात्रा में उपलब्ध है । वहां से दूसरे स्थानों पर कोयला ढो ढो कर ले जाया जायेगा । ऐसी स्थिति में जो कुछ किया गया वह ठीक नहीं है मैं मंत्री जी से स्पष्ट रूप में इस का उत्तर चाहता हूं ।

MR. SPEAKER: If it is so wrong, you can ensure the government when the Demands are taken up. In the Question Hour, you cannot do it.

SHRI SASANKASEKHAR SANYAL: Some years ago gobar gas was used for domestic purpose the raw material being cowdung and the waste is there after the consumption of cowdung for that plant. Has the Government considered the desirability and feasibility of collecting this waste for use as catalytic material in the gobar and other plants?

SHRI SHANTI BHUSHAN: If I have understood the question of the hon. Member rightly, he is asking about the gobar gas plant, whether the residue of the material used in the gobar gas plant can be used as fertilizer. I have no information on the subject and so I cannot answer that question.

SHRI P. K. DEO: In view of the fact that the Janata Government has laid stress on agriculture, fertilizers and irrigation, we must have planning with a long-term view. In view of all these facts, is it not possible to reconsider the closing down of the Korba project when we need so much fertilizers in the near future?

SHRI SHANTI BHUSHAN: As I have said, I may inform the hon. Member that no decision to give up the Korba project has been taken. The only decision which has been taken is that so far as the fertilizer projects based on gas which has been found in Bombay High or in other places are concerned, they will be taken up first. The Government will wait for these other two coal-based plants to prove themselves first before taking a decision on whether this investment of Rs. 200 crores on Korba project should also be made or not.

श्री हुकम चन्द कछवाय : तालचेर और राम गुण्डम के कारखाने कोरबा के बाद प्रारम्भ हुए थे ।" अगर सरकार के पास कोई ऐसी बात थी कि इन में से किसी को आगे चल कर

बन्द करना है तो उन दोनों में से किसी को प्रारम्भ नहीं करते और कोरबा को जो पहले से चल रहा था उस को चालू रखते। मैं आप के माध्यम से जानना चाहता हूं कि अब तक इस पर कितना खर्च हो चुका है और अब बन्द हो जाने के बाद जब दोबारा चालू करेंगे तो इस पर कितना खर्चा आयेगा तथा यह कब तक चालू हो जायगा ? क्या यह बात सही है कि पहले यह निश्चय हुआ था कि इस कारखाने को 1978 में चालू कर दिया जायेगा तथा योजना आयोग ने भी इस की स्वीकृति दे दी थी ? अब विलम्ब से चालू होने में इस पर कितना अधिक पैसा लगेगा ?

श्री शान्ति भूषण : 1973-74 में कोरबा प्रोजेक्ट पर 2 करोड 30 लाख रुपया खर्च हुआ था। 1974 के बीच में सरकार द्वारा एक कमेटी बनाई गई थी, कैबिनेट सैक्रेटरी उस के अध्यक्ष थे। चूंकि प्राइस राइज के कारण खर्च बहुत बढ़ गया था, इस लिये उस कमेटी ने तय किया कि कोरबा को स्लो-डाउन कर दिया जाय, इस दृष्टि से कि जो दूसरे कोल-बेस्ड प्रोजक्टस थे—तालचेर और रामगुण्डम—उन पर ज्यादा तेजी से काम चल रहा था—उस रिपोर्ट से यह बात जाहिर होती है कि कोरबा में काम कम हुआ था, लेकिन जो दूसरे प्रोजेक्टस थे, वे ज्यादा तेजी से चल रहे थे—इस लिये यह फैसला किया गया कि इन के काम को और ज्यादा तेज कर दिया जाय और जहां तक कोरबा का ताल्लुक है, यह देखने के बाद कि कोल-बेस्ड प्लांटस कहां तक सक्सेसफुल हुए हैं, उस के बाद तय किया जाय कि इस को बनाना है या नहीं।

श्री हुकम चन्द कछवाय : सभापति महोदय, मैं आप का संरक्षण चाहता हूं—मैंने पूछा था कि अब विलम्ब से चालू होने में इस पर कितना अधिक पैसा खर्च होगा ?

श्री शान्ति भूषण : इस की फिगर्स इस वक्त मेरे पास अवेलेबिल नहीं हैं। सवाल यह है कि जब रुपया लिमिटेड है और यह तय करना है कि गैसवाले प्लांट पर खर्च किया जाय या कोल-बेस्ड प्लांट पर खर्च किया जाय, ऐसी स्थिति में गैस-प्लांट की टेकनोलाजी प्रौवन-टेकनोलाजी थी, उस में कोई खतरा नहीं था, लिहाजा उस के लिये फैसला किया गया कि जितने भी बन सकते हैं उन को बना लिया जाये, क्योंकि कोयले के बारे में यह पता नहीं था कि वह सक्सेसफुल भी पूर्व होगी या नहीं।

MR SPEAKER You are asking for statistics like how much would be the actual cost How can the Minister answer that without notice?

श्री हुकम चन्द कछवाय : इस में काफी विलंब हुआ है और समय पर यह चालू नहीं हो पाया है।

MR SPEAKER I do not think so I cannot help it

SHRI R V SWAMINATHAN Apart from the reasons given by the Minister for the slowing down of the work of the Korba Factory, may I know whether it is also one of the reasons that the installed capacity of all the factories in the country is not fully utilized on account of the fact that the offtake is not commensurate with production because the price charged for fertilizers is beyond the purchasing capacity of the farmers? If that is a fact, may I know whether the hon. Minister will try to reduce the price of fertilizer?

SHRI SHANTI BHUSHAN: As much building up of capacity as is possible within the financial resources of the Government is going on. In other fields also a lot of work is going on, based on steam and gas. So, it is not correct to say that it is on account of the price of fertilizer that work in Korba has been slowed down.

SHRI R. V. SWAMINATHAN: What about other factories?

SHRI SHANTI BHUSHAN: In other factories also, within the financial resources of the Government, we will utilize as much installed capacity as possible.

श्री तेज प्रताप सिंह : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि ये जो तीन फर्टिलाइजर्स फैक्टरियां स्थापित की गई हैं, इन की उत्पादन क्षमता अलग अलग क्या है और किस किस प्रकार के फर्टिलाइजर्स यहां बनाए जाएंगे ?

श्री शान्ति भूषण : इस के बारे में इस समय जानकारी मेरे पास नहीं है । अगर माननीय सदस्य नोटिस देंगे तो उन की क्षमताओं के बारे में बता दूंगा ।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : इस में बहुत से काम्पलीकेशन्स मंत्री जी एराइज कर दिये हैं ।

MR. SPEAKER: I know what you want. He cannot satisfy you because you want him to answer in a particular way, which naturally no Minister can do. Since the Demands relating to this Ministry are going to come up, certainly that would be a better time to raise it when you can expect to get more information.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मध्य प्रदेश में जो पहले से बन रहे हैं, उन को क्यों बन्द कर रहे हैं ।

MR. SPEAKER: I know you are agitated. But what can the poor Speaker do?

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : मैंने पहले भी प्रश्न किया था कि मध्य प्रदेश का प्लान्ट बन्द किया गया ?

MR. SPEAKER: I entirely agree. But what can be done? I cannot ask him to answer a question in a particular way. It is not in my hands.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : कोल-बेस पर फर्टिलाइजर्स बन सकता है ।

भारतीय तेल निगम के विपणन प्रभाग में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित पद

***226. श्री उग्रसेन** : क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली स्थित भारतीय तेल निगम के विपणन विभाग में काम कर रहे अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कुछ कर्मचारियों ने अपने पदोन्नति-कोटे सम्बन्धी प्रावधानों की ओर अधिकारियों का ध्यान दिलाते हुए हाल ही में अभ्यावेदन पेश किये हैं जिनमें पदोन्नतियों की मांग की गई है;

(ख) यदि हां, तो आरक्षित पदोन्नति कोटे को पूरा करने के लिये क्या प्रयास किये गये हैं और दिल्ली में पद-वार कितने कर्मचारियों की पदोन्नतियां की गई हैं; और

(ग) क्या इन कर्मचारियों की पदोन्नति पर दिल्ली से बाहर भेजने से पहले इस बात पर ध्यान दिया गया है कि दिल्ली में उन पदों पर आरक्षित कोटा पूरा है; और यदि हां, तो कुछ कर्मचारियों को पदोन्नति पर दिल्ली से बाहर भेजने के क्या कारण हैं ?

THE MINISTER OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN): (a) Yes, Sir.

(b) The entire Northern Region is considered as a single unit for purposes of promotion. The following grade-wise promotions for Northern Region